

दलित चेतना पीडीए महापंचायत: नगला केशरी के पलक रिसोर्ट में उमड़ा जनसैलाब, देवेंद्र जाटव के समर्थन में जुटे हजारों कार्यकर्ता

एत्मादपुर के नगला केहरी स्थित पलक रिसोर्ट में दलित चेतना पीडीए महापंचायत का आयोजन, बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ता।

○ **टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।**

तहसील क्षेत्र के नगला केहरी स्थित पलक रिसोर्ट में 'दलित चेतना पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) महापंचायत' का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। समाजवादी पार्टी (सपा) से एत्मादपुर विधानसभा के प्रबल दावेदार देवेंद्र जाटव के समर्थन में आयोजित इस सम्मेलन में भारी जनसैलाब उमड़ा। महापंचायत में मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और वक्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को वक्ताओं ने कहा कि समाज के जनिवेशी भी बताते हुए इसे उखाड़ फेंकने और आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ सपा की सरकार बनाने का पुरजोर आह्वान किया।

महापंचायत में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे दयाराम प्रजापति पूर्व एमएलसी और आगरा के जिलाध्यक्ष ऊदल सिंह कुशवाह



सहित समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मंच से वक्ताओं ने कहा कि पिछड़ों को शोषित, वंचित और पिछड़ों को उनका अधिकार दिलाने के लिए पीडीए की विचारधारा को मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर एकजुट होकर चुनाव तैयारियों में जुटने की अपील की। सपा नेता और दावेदार देवेंद्र जाटव ने महापंचायत में उमड़ी भारी

भीड़ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र में पहले भी कई पीडीए सम्मेलन हुए हैं, लेकिन नगला केहरी के पलक रिसोर्ट में उमड़ा यह जनसैलाब ऐतिहासिक है। जनता का यह अभूतपूर्व समर्थन साफ तौर पर सामाजिक एकता और क्षेत्र में बदलाव का संदेश दे रहा है। उन्होंने दलित चेतना, सामाजिक भागीदारी और राजनीतिक मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता अब सपा के साथ कंधे से

■ **देवेंद्र जाटव के समर्थन में पहुंचे सपा कार्यकर्ता, महापंचायत में सामाजिक एकता और भागीदारी पर दिया जोर।**

■ **दयाराम प्रजापति बोले- पीडीए की विचारधारा से आएगी सामाजिक क्रांति, वंचित वर्गों के अधिकारों की उठाई आवाज।**

■ **देवेंद्र जाटव ने जनसमर्थन को बताया बदलाव का संकेत, महापंचायत में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हुई।**

कंधा मिलाकर खड़ी है।

सम्मेलन में ये प्रमुख नेता रहे मौजूद

महापंचायत के दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव में जीत हासिल करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी बॉरेंद्र सिंह चौहान, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सचिन बघेल, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव अजीज अब्बास, नगर

पालिका एत्मादपुर के चेयरमैन सुरेश कुशवाह, वार्ड अध्यक्ष जयवीर बघेल, आरबीएस कॉलेज के अध्यक्ष शिवम बघेल, दिनेश यादव, हजारी लाल यादव, जेपी यादव, सुनील यादव जिंदी , विनूप, राकेश यादव गुल्ला,और बाँबी यादव, यशपाल यादव, जयवीर बघेल,सचिन बघेल, हर-देव चौहान सहित भारी संख्या में सपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया रामबाग, बैड-बाजों की धुन पर थिरके अग्रवंशी

रामबाग में शोभायात्रा से समाज में एकता, समानता और सेवा का दिया संदेश

18 राजकुमारों की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

अग्रवाल सेवा समिति, रामबाग की ओर से महाराजा अग्रसेन की 5150वीं जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के स्वागत में रामबाग और ट्रांस यमुना क्षेत्र को रंग-बिरंगी रोशनी से डुलहन की तरह सजाया गया। पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा माहौल रहा। शोभाबंध लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग, विधायक पुरषोत्तम खण्डेलवाल और भाजपा



नीरज गुप्ता ने हरी झण्डी दिखाकर किया।

शोभायात्रा में महाराजा अग्रसेन के स्वरूप में दिनेश चंद बंसल और महारानी माधवी के स्वरूप में कमलेश बंसल सुसज्जित रथ पर

‘लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़े, काहु न लखा देखि सब ठाढ़े’ की चौपाई के साथ पिनाहट में गूंजी रामलीला, आज निकलेगी भव्य श्रीराम बरात

‘लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़े, काहु न लखा देखि सब ठाढ़े’ – धनुष यज्ञ लीला देख भावविभोर हुए श्रद्धालु

–परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने मोहा मन, रामलीला देखने उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

○ **टीएनएफ टुडे, पिनाहट।**

रामलीला मंचन में भगवान के शंकर के धनुष को तोड़कर श्रीराम ने सीता जी के गले में जयमाला डालने समेत अन्य मनमोहक लीलाएं आयोजित हुईं। जिनको देखने के लिए भारी भीड़ कस्बा में उमड़ पड़ी है। जिसके लिए पुलिस नू तैनात दिखाई दी है।

कस्बा में चल? रही रामलीला मंचन में रविवार को जनकपुर में स्वयंवर में भगवान शंकर के धनुष



को श्रीराम ने अनेक राजाओं के सामने सहजता से उठाकर तोड़ दिया। जिसे तुलसीदास ने रामचरित मानस में कहा कि लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़े काहु न लखा देखि सब ठाढ़े। जिसका अर्थ भगवान श्री राम ने धनुष उठाकर तोड़ दिया और ये सब किसी ने देख तक नहीं पाया।

जिसके बाद परशुराम लक्ष्मण संवाद , अयोध्या को निमंत्रण समेत अन्य लीलाएं आयोजित हुईं। जिनको देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंची। जिनको व्यवस्थित करने के लिए कस्बा के चप्पे-चप्पे पर देर रात तक पुलिस भी तैनात रही है। रामलीला मंचन के आयोजन में आज सोमवार रात भगवान श्रीराम की भव्य बारात निकाली जाएगी। भगवान की बरात के लिए समूचे कस्बा को रोशनी से सजाया जा रहा है। भगवान की बरात भदरौली तिराहे से प्रारम्भ होकर दाऊ जी महाराज मंदिर स्थित जनकपुरी तक निकाली जाएगी। इस दौरान बारात समूचे बाजार में होती हुई पहुंचेगी। जिसके लिए भव्यतम तैयारियां की गयी है। यह जानकारी रामलीला कमेट्री के अध्यक्ष नवीन पाराशर ने दी है।

मारपीट में घायल किशोर की उपचार के दौरान मृत्यु

○ **टीएनएफ टुडे, पिनाहट।**

घर के बाहर खड़े किशोर पर परिवार के ही लोगों द्वारा बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। जिसमें आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाना पिढौरा के गांव बिठौली निवासी क्रश पुत्र रमेश बाल्मीकि उम्र करीब 16 वर्ष तीन अक्टूबर की शाम करीब आठ बजे अपने घर के बाहर गली में घूम रहा था। तभी परिवार के ही दीपक, विजय ,



अजब सिंह समेत करीब 15 लोगों एकजुट होकर लाठी डंडों से बुरी तरह मारपीट कर दी। जिससे क्रश,सागर और पिता रमेश बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पिनाहट में भर्ती

शिक्षक और स्नातक चुनाव के बूथों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

बाह, पिनाहट और जेतपुर ब्लॉक में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

○ **टीएनएफ टुडे, पिनाहट।**

शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों के तहत रविवार को उप जिलाधिकारी बाह विनोद कुमार ने बाह, पिनाहट और जैतपुर ब्लॉक क्षेत्र में बनाए गए बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी बाह ने निर्वाचन से संबंधित व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो प्रशासन की ओर से निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के लिए निरीक्षण किया जा रहा है।



होकर उन्होंने एक बड़ा राजनीतिक बयान देते हुए कहा, रथोगी से बैर नहीं, मोदी तुझको वोट नहीं ।। माँ के इस बयान के बाद धरना स्थल पर मौजूद लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी और साफ देखी गई।

मोहित तोमर के समर्थन में धरना स्थल पर बैठे 'संपूर्ण समस्या समाधान संगठन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष अवनीश कुमार और युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र त्यागी भी मोहित की हालत देखकर बेहद भावुक हो गए और उनकी आँखें नम हो गईं। संगठन के पदाधिकारियों और

वहां उपस्थित सभी लोगों ने मोहित के गिरते स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है।

इस बीच, मोहित तोमर के इस आंदोलन को स्थानीय क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। आस-पास के गांवों और क्षेत्रों से लगातार लोग धरना स्थल पर पहुंचकर मोहित के स्वास्थ्य का हालचाल ले रहे हैं और सूजीसी के खिलाफ इस लड़ाई में उनके साथ खड़े होने का दावा कर रहे हैं। समर्थकों का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, यह आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा।

गोवर्धन पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। महाराजा अग्रसेन के जयघोष, आकर्षक झांकियों और बैड-बाजों की गूंज के बीच अग्रवंशी उत्साहपूर्वक शोभायात्रा में शामिल हुए।

महामंत्री सुभाष मित्तल और कोषाध्यक्ष मीनेश गर्ग ने बताया कि शोभायात्रा के माध्यम से समाज में एकता, अखंडता, समानता और सेवा का संदेश दिया गया। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण 18 राजकुमारों की भव्य झांकी रही। इसके साथ कुलदेवी मां लक्ष्मी का डोला भी श्रद्धालुओं के आकर्षण

का केंद्र रहा। अग्रबंधु पूरे मार्ग में ह्ममहाराजा अग्रसेन की जयह्म और ह्मजय अग्रसेनह्म के जयकारे लगाते रहे। बैड-बाजों और डीजे की धुन पर युवा उत्साह से थिरकते नजर आए। शोभायात्रा के समापन पर आयोजन में सहयोग करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मुरारीलाल गर्ग, संजय अग्रवाल, मुख्य संयोजक देवेंद्र मित्तल, संगठन मंत्री सोनू सिंघल, राहुल गोयल, सतीश चंद्र, अंशय गोयल, अजीत अग्रवाल, अजय, विजय आदि मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के दो शोधार्थियों को प्रतिष्ठित फेलोशिप

केएमआई के भाषाविज्ञान विभाग का नाम किया रोशन

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के के.एम. इंस्टीट्यूट स्थित भाषाविज्ञान विभाग के लिए एक बेहद गौरवपूर्ण और उपलब्धि भरा पल सामने आया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभाग के दो होनहार शोधार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित शोध फेलोशिप के लिए हुआ है। विभाग के शोधार्थी सूर्यामणि कुमार का चयन एनटीएस-इंडिया डॉक्टोरल फेलोशिप 2026-27 तथा नीरव कुमार का चयन आईसीएसएसआर शॉर्ट-टर्म डॉक्टोरल फेलोशिप 2026-27 के लिए किया गया है। सूर्यामणि कुमार के इस चयन पर

पिनाहट घाट पर खड़ा किया पैदून पुल, मरम्मत शुरू नहीं; 15 अक्टूबर तक संचालन की मांग

शिव मंदिर के पास पुल खड़ा कर भूले कर्मचारी, मरम्मत और डेंटिंग-पेंटिंग का काम अब तक शुरू नहीं।

○ **टीएनएफ टुडे, पिनाहट।**

चंबल नदी के पिनाहट घाट पर पैदून पुल के संचालन की तैयारियों को लेकर लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुल को पिनाहट घाट पर लाकर शिव मंदिर के पास खड़ा तो कर दिया गया लेकिन इसके बाद मरम्मत और डेंटिंग-पेंटिंग का कार्य शुरू नहीं हो सका। आरोप है कि पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के निर्देश के बावजूद ठेकेदार मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे पुल की मरम्मत का काम अधर में लटका हुआ है।

पिनाहट घाट पर पैदून पुल के संचालन का इंतजार कर रहे व्यापारियों और क्षेत्रीय लोगों को उम्मीद थी कि पुल को घाट पर लाने के साथ ही मरम्मत का कार्य तेजी से शुरू हो जाएगा। लेकिन पुल को खड़ा करने के बाद काम शुरू न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। व्यापारियों का कहना है कि पुल के संचालन में देरी से आवागमन और व्यापार प्रभावित हो रहा है।गौरलाल है कि पैदून पुल के संचालन में हो रही देरी को लेकर व्यापारी पहले ही आंदोलन की चेतावनी दे चुके हैं। व्यापारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय पर पुल का संचालन शुरू नहीं हुआ तो बाजार बंद कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ऐसे में पुल को



घाट पर लाकर खड़ा करने के बावजूद मरम्मत कार्य शुरू न होना कई सवाल खड़े कर रहा है।व्यापारियों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि कहीं आंदोलन और बाजार बंदी को टालने के लिए ही पुल को घाट पर लाकर खड़ा तो नहीं कर दिया गया है। अब देखना होगा कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कब तक ठेकेदार को मौके पर बुलाकर मरम्मत कार्य शुरू कराते हैं और पिनाहट घाट पर पैदून पुल का संचालन कब तक बहाल हो पाता है। वहीं इस मामले में व्यापार मंडल के आगरा जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा का कहना है कि पिनाहट के व्यापारियों के द्वारा पूरी घटना से अवगत करा दिया गया है।पूरे मामले से जिलाधिकारी आगरा को अवगत कराया गया है।ज्ञापन दिया गया है। बहुत जल्द पैदून पुल चालू कराया जाएगा। 15 अक्टूबर तक पैदून पुल चालू नहीं होता है तो आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

पिंक बेल्ट ने शुरू किया महिला सहायता केंद्र

महिलाओं को मिलेगी निःशुल्क कानूनी सलाह, स्वास्थ्य जाँच, काउंसलिंग और थेरेपी की सुविधा



टीएनएफ टुडे, आगरा।

महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले आठ वर्षों से कार्यरत संस्था पिंक बेल्ट मिशन ने महिलाओं की सहायता के लिए एक नई पहल करते हुए आगरा के बाग फरजाना में महिला सहायता केंद्र की शुरुआत की है। जूडियो स्टोर के नीचे बेसमेंट में स्थापित इस केंद्र के माध्यम से महिलाओं को निःशुल्क कानूनी परामर्श, स्वास्थ्य जाँच, काउंसलिंग और थेरेपी की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य

घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, वैवाहिक विवाद, अलगाव, तलाक, पारिवारिक समस्याओं और मानसिक तनाव से जुड़ा रही महिलाओं की सहायता, मार्गदर्शन और भावनात्मक संबल प्रदान करना है।

पिंक बेल्ट मिशन अब तक देशभर में लगभग 1.76 लाख लड़कियों को महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण दे चुका है। संस्था ने महिला पाठशाला 1090, महिला आयोग, राजस्थान महिला एवं बाल कल्याण विभाग तथा उत्तराखंड सहित

विभिन्न संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए कार्य किया है।

प्रत्येक माह तीन विशेष सेवाएँ

महिला सहायता केंद्र में महिलाओं की सुविधा के लिए प्रत्येक माह अलग-अलग रविवार को तीन प्रमुख सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

पहला रविवार – निःशुल्क कानूनी परामर्श: घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, वैवाहिक विवाद,



अलगाव, तलाक तथा महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मामलों में कानूनी सलाह दी जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को उनकी परिस्थितियों के अनुसार आगे की सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

दूसरा रविवार – निःशुल्क काउंसलिंग एवं थेरेपी: अवसाद, मानसिक तनाव, भावनात्मक आघात, ब्रेकअप, तलाक, पारिवारिक विवाद, बच्चों से संबंधित समस्याओं और जीवन की अन्य कठिन परिस्थितियों से गुजर रही महिलाओं को काउंसलिंग एवं भावनात्मक सहयोग

प्रदान किया जाएगा।

तीसरा रविवार – निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर: महिलाओं के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित किए जाएँगे। शिविर में चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा आवश्यकता के अनुसार सामान्य दवाइयाँ उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यालय आने में असमर्थ महिलाएँ भी ले सकेंगी सहायता पिंक बेल्ट मिशन ने स्पष्ट किया है कि जो महिलाएँ व्यक्तिगत रूप से केंद्र तक नहीं पहुँच सकतीं, वे ऑनलाइन माध्यम से भी सहायता

प्राप्त कर सकती हैं। इसके लिए वे 6399799997 पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर अपनी समस्या साझा कर सकती हैं। संस्था के इंस्टाग्राम और फेसबुक पेज के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है।

संस्था का उद्देश्य महिलाओं को ऐसा सुरक्षित मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे बिना झिझक अपनी समस्याएँ साझा कर सकें और उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें। पिंक बेल्ट मिशन ने ज़रूरतमंद महिलाओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न, मानसिक तनाव या पारिवारिक समस्या का सामना करने

भारत से अमेरिका तक बढ़ रहा है मिशन का दायरा

पिंक बेल्ट मिशन के कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के उद्देश्य से वर्ष 2024 में अमेरिका में Friends of Pink Belt Mission नाम से संगठन का गठन किया गया। इस पहल में शेली मिलर और लिंडा फ्रैंकल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिका में 35 महिलाएँ इस मिशन से जुड़ चुकी हैं और भारत में ज़रूरतमंद महिलाओं की सहायता के लिए अपना योगदान देने के लिए तैयार हैं।

संस्था की योजना भविष्य में भारत के विभिन्न हिस्सों में ऐसे और सहायता केंद्र स्थापित करने की है, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को कानूनी, स्वास्थ्य एवं मानसिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

पिंक बेल्ट मिशन की संस्थापक अपर्णा राजावत ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केवल सुरक्षा प्रशिक्षण देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि ज़रूरत के समय उन्हें कानूनी मार्गदर्शन, स्वास्थ्य सेवाएँ और भावनात्मक सहयोग मिलना भी ज़रूरी है। महिला सहायता केंद्र इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्था का प्रयास है कि कोई भी महिला अपनी समस्या के साथ अकेली न रहे और उसे सम्मानपूर्वक सहायता प्राप्त करने का अवसर मिले।

पिंक बेल्ट मिशन ने समाज के जागरूक नागरिकों, विशेषज्ञों, डॉक्टरों, वकीलों और स्वयंसेवकों से भी इस अभियान से जुड़ने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक ज़रूरतमंद महिलाओं तक सहायता पहुँचाई जा सके।

संपर्क: 6399799997

स्थान: पिंक बेल्ट महिला सहायता केंद्र, बाग फरजाना, जूडियो स्टोर के नीचे, बेसमेंट, आगरा।

पर सहायता लेने के लिए आगे आएँ।

नई टीम को सौंपी गई जिम्मेदारियाँ

महिला सहायता केंद्र के संचालन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। आशा सिंह को काउंसलिंग एवं थेरेपी प्रमुख तथा पायल चौहान को कानूनी परामर्श प्रमुख नियुक्त किया गया है। आरती सिसोदिया स्वास्थ्य जाँच शिविरों की जिम्मेदारी संभालेंगी करिश्मा वर्मा को मीडिया संबंधी जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं, डिम्पल को डेटा कलेक्शन व नेहा चितोड़िया, कौशाम्बी सिंह, श्वेता जैन को मुख्य कॉर्डिनेटर बनाया गया। अंजलि, नीतू सिंह, चांदनी सिंह अशिका दुबे और बुलबुल परिहार भी संस्था के कार्यों में अपनी भूमिका निभाएँगी।

इस अवसर पर पिंक बेल्ट मिशन की संरक्षक मानसी चन्द्रा, पिंक बेल्ट फाउंडेशन की फाउंडेशन की निदेशक मोनिका गोयल, पिंक बेल्ट मिशन की अध्यक्ष मनीषा ठाकुर और पिंक बेल्ट मिशन की संस्थापक अपर्णा राजावत उपस्थित रहें। सभी ने नई टीम को शुभकामनाएँ दीं और महिलाओं की सहायता, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया।

एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा में दूसरा सफल किडनी प्रत्यारोपण संपन्न

मेडिकल कॉलेज के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एस. एन. मेडिकल कॉलेज ने चिकित्सा जगत में एक और मील का पथर पार करते हुए 10 अक्टूबर 2026 को अपना दूसरा सफल किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक संपन्न किया है।

इस बड़ी उपलब्धि पर कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन डॉ. प्रशांत गुप्ता जी ने पूरी मेडिकल टीम को बधाई दी।

प्रधानाचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता जी ने कहा:

यह हमारे संस्थान के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है कि हमने एक और सफल किडनी प्रत्यारोपण किया है। यह सफलता आर.एम.एल. (RML) अस्पताल, नई दिल्ली के डॉ. हेमंत गोयल, विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी विभाग के मार्गदर्शन और हमारी पूरी टीम के उत्कृष्ट प्रयास का परिणाम है। एस. एन. मेडिकल कॉलेज आम जनता को सुलभ, किफायती और उच्च कोटि की अति-विशिष्ट (सुपर-स्पेशलिटी) स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने तथा निरंतर नई ऊँचाइयों को छूने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



सर्जरी के मुख्य बिंदु और मरीज की स्थिति:

इस जटिल प्रक्रिया में 24 वर्षीय युवा मरीज दीपक को उनके पिता राजवीर द्वारा स्वीच्छक रूप से किडनी दान की गई।

वर्तमान में डोनर (पिता) और रिसीविंग पेशेंट (पुत्र) दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं और नई किडनी (ग्राफ्ट) बेहतरीन ढंग से कार्य कर रही है।

इस सफल मेडिकल मिशन में निम्नलिखित प्रमुख विभागों और टीमों का उत्कृष्ट योगदान रहा:

ट्रांसप्लांट नेफ्रोलॉजी टीम: डॉ. अपूर्व जैन, डॉ. मुदित खुराना, डॉ. कैरवी भारद्वाज एवं नेफ्रोलॉजी विभाग के सभी सीनियर रेजिडेंट्स। ट्रांसप्लांट यूरोलॉजी टीम:

डॉ. प्रशांत लवानिया, डॉ. अभिषेक पाठक, (लीड ट्रांसप्लांट सर्जन) डॉ.विजय त्यागी, डॉ. अंकुश गुप्ता, डॉ. प्रदीप देब एवं यूरोलॉजी विभाग के जूनियर रेजिडेंट्स।

ट्रांसप्लांट एनेस्थीसिया टीम: प्रोफेसर डॉ. अपूर्व मित्तल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमृता गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीण पांडे, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रभा एवं एनेस्थीसिया टीम के जूनियर रेजिडेंट्स।

समन्वय एवं नर्सिंग स्टाफ: ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर प्रदीप त्यागी, के.टी.यू. नर्सिंग टीम, तथा ओ.टी. नर्सिंग इंचार्ज व उनकी पूरी टीम।

टीएनएफ टुडे, आगरा।

महाराजा अग्रसेन जयंती के पावन पर्व पर रविवार को अग्रवंश एकता समिति के तत्वावधान में सामाजिक एकता, सद्भाव और विश्व शांति के लिए बल्केश्वर आईटीआई के सामने अग्रसेन वाटिका में विशाल एकता महायज्ञ का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा-उत्सव के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सभी के स्वस्थ, प्रसन्न, खुश रहने और उनकी मनोकामनाएँ पूर्ण होने की शुभकामनाएँ दी गईं।

कार्यक्रम संयोजक प्रमुख समाजसेवी पार्षद मुरारी लाल गोयल पेंट वालों ने इस अवसर पर कहा कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सभी का भला हो, सभी की ज़रूरतें पूरी हों, समाज में खुशहाली आए



और सभी के संकट दूर हों। यह एक ऐसा महायज्ञ है, जिसमें आहुति देने वाले प्रत्येक व्यक्ति की मनोकामनाएँ भगवान अग्रसेन अवश्य पूर्ण करेंगे। समाजसेविका श्रीमती सुमन गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने समाज को 'एक रुपया और

एक ईंट' का संदेश देकर गरीबों व ज़रूरतमंदों की मदद करने की प्रेरणा दी थी। महायज्ञ और पूजा-अर्चना के माध्यम से हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कारों से जोड़ रहे हैं। हमें अपने घरों में भी

भगवान अग्रसेन जी की प्रतिमा स्थापित कर नित्य पूजा-अर्चना करनी चाहिए। इस महायज्ञ में सभी परिवारों ने आहुति देकर माँ महालक्ष्मी, माँ माधवी और महाराजा अग्रसेन जी का आशीर्वाद प्राप्त किया है।

इस अवसर पर फैसी ड्रेस, मेहंदी, डांस और चित्रकला प्रतियोगिता में अग्रवंशी बच्चों और बेटियों की प्रतिभा ने सबका दिल जीत लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक पार्षद मुरारी लाल गोयल पेंट वाले, सुमन गोयल, मुख्य यजमान गिरीश चंद्र बंसल, पूर्व पार्षद ताराचंद मित्तल 'तोती भाई', पार्षद पूजा बंसल, पूर्व मंडल अध्यक्ष गिरांज बंसल, ममता सिंघल, रमन अग्रवाल, शिव शंकर अग्रवाल शंभू, कृष्ण कुमार अग्रवाल गुड्डू भाई, नूतन अग्रवाल, प्रियंका सिंघल, राजू अग्रवाल (खुशबू नमकनो), अवध गोयल, हरीश अग्रवाल 'जुगनू', प्रकाश चंद अग्रवाल, बबली जैन और अतुल अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सेंट पीटर्स स्कूल किरावली द्वारा शिक्षा एवं स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन

टीएनएफ टुडे, किरावलीज

सेंट पीटर्स स्कूल, किरावली द्वारा सहाई ग्राम के पास शिक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु nukkad natak aur रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व तथा स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। इस पहल का उद्देश्य समाज में शिक्षा और स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश देना था।



घर-घर विराजी मां दुर्गा, निकाली गई कलश यात्रा
फतेहाबाद। शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को क्षेत्र में भक्तिमय माहौल रहा। घरों और मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से कलश स्थापना कर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर कलश यात्राएँ भी निकाली गईं। भक्तों ने मां भगवती के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नवरात्र के शुभारंभ पर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। घरों में पूजा स्थल सजाकर कलश स्थापित किए गए और मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा की गई। मंदिरों में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर मां शैलपुत्री से परिवार की सुख-शांति की प्रार्थना की। नवरात्र को लेकर बाजारों में भी पूजन सामग्री, फल और फूलों की दुकानों पर चहल-पहल रही।

राज्यसभा सांसद रामप्रताप सिंह चौहान का आगरा में भव्य स्वागत, रहनकलां टोल से निकला रोड शो राज्यसभा सांसद बनने के बाद पहली बार आगरा पहुंचे रामप्रताप सिंह चौहान, रहनकलां टोल प्लाजा पर जुटे समर्थक

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद रामप्रताप सिंह चौहान का उच्च सदन का सदस्य मनोनीत होने के बाद पहली बार ताजनगरी आगरा आगमन हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, स्थानीय विधायकों और समर्थकों ने उनका ऐतिहासिक और अभूतपूर्व स्वागत किया। रामप्रताप सिंह चौहान के स्वागत के लिए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के रहनकलां टोल प्लाजा पर सुबह से ही भारी उत्साह देखा गया। उनके आगमन की सूचना पर हजारों की संख्या में भाजपा

■ **ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच हुआ स्वागत, हजारों वाहनों के काफिले के साथ निकला रोड शो।**
■ **कुबेरपुर, छलेसर, रामबाग और भगवान टॉकीज चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत।**

कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता और उनके समर्थक टोल प्लाजा पर एकत्रित हो गए।

सांसद के टोल प्लाजा पर पहुंचते ही पूरा क्षेत्र 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गुंज उठा। समर्थकों ने



उन्हें फूलों की मालाओं से लाद दिया और ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके। सांसद रामप्रताप सिंह चौहान की आगवानी के लिए उनके समर्थक हजारों गाड़ियों के विशाल काफिले के साथ रहनकलां टोल प्लाजा पहुंचे थे। यहाँ से

एक भव्य रोड शो की शुरुआत हुई। गाड़ियों का यह विशाल काफिला एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा से रवाना होकर कुबेरपुर, छलेसर और रामबाग चौराहा होते हुए आगे बढ़ा। रोड शो के रूट में पड़ने वाले सभी

प्रमुख चौराहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत मंच बनाए थे। रामबाग से होते हुए जब यह काफिला भगवान टॉकीज चौराहे पर पहुंचा, तो वहाँ पहले से मौजूद कार्यकर्ताओं ने सांसद का जोरदार स्वागत किया। पूरे रास्ते में शहरवासियों और राहगीरों ने भी काफिले का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। भगवान टॉकीज से होते हुए रामप्रताप सिंह चौहान का यह ऐतिहासिक रोड शो उनके गांधीनगर स्थित आवास पर पहुंचकर संपन्न हुआ। आवास पर भी उनके परिजन और करीबी समर्थकों ने उनकी आरती उतारी और मिठाई बाँटकर खुशी का

इज़हार किया। इस दौरान रामप्रताप सिंह चौहान ने केन्द्रीय और प्रांतीय नेतृत्व सहित सभी कार्यकर्ताओं और जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और क्षेत्र के विकास के साथ-साथ कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। स्वागत समारोह में जिले के कई भाजपा विधायक, और पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीश सिंह तोमर अपने काफिले के साथ उनके समर्थन में उतरे और भाजपा पदाधिकारी भारी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़ड़ा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

 सम्पादकीय
न्यायपालिका की गरिमा, पदों की मर्यादा और संवैधानिक गरिमा पर प्रहार का नया दौर देश की शीर्ष न्यायपालिका और उच्च संवैधानिक पदों को लेकर जिस प्रकार की गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी और दबाव की राजनीति पिछले कुछ समय में देखने को मिली है, उसने भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को एक गंभीर मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। जब राजनीतिक हित साधने के लिए देश के मुख्य न्यायाधीश या अन्य संवैधानिक संस्थाओं के प्रमुखों पर अनर्गल आरोप लगाए जाते हैं या उनके फैसलों और पद की गरिमा को दरकिनार कर इस्तीफा मांगने का सुनिश्चित एजेंडा चलाया जाता है, तो यह केवल किसी व्यक्ति विशेष पर हमला नहीं होता, बल्कि यह देश के संविधान की नींव पर सीधा प्रहार होता है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में न्यायपालिका वह मजबूत स्तंभ है जिस पर देश का हर नागरिक भरोसा करता है, और उस भरोसे को डगमगाने का प्रयास करना केवल राजनीतिक अपरिपक्वता ही नहीं बल्कि एक बहुत बड़ी राष्ट्रीय भूल है। घटना के इस नए परिदृश्य को देखें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जब भी किसी बड़े राजनीतिक दल या संगठन की इच्छा के विपरीत न्यायपालिका का फैसला आता है या कोई संवैधानिक संस्था अपने नियमों के अनुसार काम करती है, तो तुरंत उस संस्था की मंशा पर सवाल उठाए जाने लगते हैं। जनहित और वैचारिक मतभेद के नाम पर शीर्ष पदों पर बैठे व्यक्तियों को कठघरे में खड़ा करना और सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक उनके खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाना आज की विघटनकारी राजनीति का नया तरीका बन गया है। यदि किसी भी फैसले या प्रक्रिया से असहमति है, तो संविधान के भीतर पुनर्विचार याचिका और कानूनी बहस के अनेक रास्ते मौजूद हैं, किंतु उन रास्तों को छोड़कर संस्थाओं पर दबाव बनाना या उनके मुखियाओं के इस्तीफे की मांग को राजनीतिक तमाशा बना देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। तथापि, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता ही इस देश के लोकतंत्र की असली पहचान रही है, और जब उन पर राजनीतिक खींचतान का साया मंडराने लगता है, तो उससे अंततः देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था ही कमजोर होती है। आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल और संगठन तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर संवैधानिक संस्थाओं और शीर्ष पदों की गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता दिखाएं। जब तक न्यायपालिका और संवैधानिक तंत्र को राजनीतिक नफा-नुकसान से दूर रखकर उनके सम्मान की रक्षा नहीं की जाएगी, तब तक कोई भी नियम या कानून देश में व्यवस्था स्थापित नहीं कर पाएगा।

अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

शबरी के झूठे बेरों को खाकर भगवान श्रीराम ने प्रेम और भक्ति का दिया था सबसे बड़ा संदेश

श्रीमद्भगवत महापुराण और रामायण के पवित्र प्रसंगों में भक्त शबरी की निष्ठा और भावना श्रीराम के बीच का वह मिलन अत्यंत मर्मस्पर्शी है जब माता शबरी ने अपने प्रभु की प्रतीक्षा में अपने पूरे जीवन के वर्ष बिता दिए थे। लंका विजय की यात्रा के दौरान जब भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी दण्डकारण्य के वनों में भटकते हुए शबरी की कुटिया पर पहुँचे थे तब शबरी की आँखों में आनंद के अश्रु छलक आए थे। इस सर्वोर्विदित प्रसंग के भीतर एक ऐसा अत्यंत सूक्ष्म और दार्शनिक लोक-प्रसंग भी छिपा है जो शबरी के उस अद्वितीय समर्पण की गहराई को उजागर करता है। प्रसंग उस समय का है जब शबरी प्रतिदिन सुबह उठकर जंगल से सबसे मीठे और सुंदर बेर चुनकर लाती थीं और यह परखने के लिए कि कोई ख़ुद्दा फल प्रभु के मुख में न चला जाए वे हर बेर को पहले खुद चखकर देखती थीं। जब भगवान श्रीराम शबरी की कुटिया में आए और उन्होंने उन झूठे बेरों को बड़े चाव से खाना शुरू किया तब लक्ष्मण जी को यह दृश्य देखकर थोड़ी असहजता महसूस हुई थी। लक्ष्मण जी ने अत्यंत विनम्रता से भगवान से कहा कि हे भैया आप इन झूठे फलों को क्यों ग्रहण कर रहे हैं जो एक आदिवासी वृद्धा ने चखकर खाए हैं। भगवान श्रीराम ने मंद-मंद मुसुराते हुए लक्ष्मण को अपने पास बैठाय़ा और प्रेम का वह सबसे बड़ा पाठ पढ़ाया जो वेदों और पुराणों में दुर्लभ है। श्रीराम ने कहा कि हे लक्ष्मण इन बेरों में भले ही बाहरी शिष्टाचार या दरबारी शुद्धता न हो किंतु इनमें शबरी का वह अगाध प्रेम और पवित्र समर्पण है जो दुनिया के किसी भी छप्पन भोग में नहीं मिल सकता। भगवान ने यह भी स्पष्ट किया कि भक्त की भावना और उसका निर्मल हृदय ही सबसे बड़ा भोग होता है न कि बाहरी दिखावा और औपचारिकताएँ।

यह पावन प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि ईश्वर कभी भी व्यक्ति की जाति या बाहरी दिखावे को नहीं देखते बल्कि वे केवल उसके हृदय के सच्चे प्रेम और भक्ति भाव को ही स्वीकार करते हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल	
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!	
 महसुस करें: आज का दिन आपके लिए बहुत फलदायी है। आपकी भावनाएं और प्रेम आपके जीवन में एक नया अध्याय शुरू करेंगे।	
शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल आज मेष वृष सिंह कन्या वृश्चिक और धनु राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन हनुमान जी तथा भगवान कार्तिकेय की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाने तथा लाल मसूर की दाल का दान करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और साहस में वृद्धि होती है।	

कॉकरोच क्रांति का खतरनाक खेल! वोट नहीं मिलते तो सड़कों पर हंगामा, दलीलें खत्म तो गाली गलौज!

बुज खंडेलवाल

जब वोटर भाव नहीं देते, तो कुछ नेता सड़क पर उतर आते हैं। जब दलीलें खत्म होती हैं, तो गाली गलौज शुरू हो जाती है। और जब जनता साथ नहीं देती, तो क्रांति का ढोल पीट दिया जाता है। लीजिए जनाब, स्वागत कीजिए कॉकरोच जनता पार्टी का। इसके सिपहसालार देश की सियासत में इधर उधर रेंग रहे हैं। झोले में न लोस कार्यक्रम है, न बदलाव का नक्शा। बस शोर शराबा, नफरत और हंगामा खड़ा करने का जुनून है। ये खुद को जनता के गुस्से का असली नुमाइंदा बताते हैं। दावा करते हैं कि देश उबल रहा है और बस एक विंगारी की देर है। मगर सवाल है कि इनका एजेंडा क्या है? नेता कौन है? देश को आगे ले जाने का रास्ता क्या है? इन सवालों पर सन्नाटा है। इनके पास नारे हैं, गालियों का गोदाम है और सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले मीम्स की दुकानें हैं। इनका सपना भी दिलचस्प है। नेपाल या बांग्लादेश जैसी सड़क क्रांति भारत में भी हो जाए। हर झगड़े को राष्ट्रीय संकट बना दो और हर संस्था को कटघरे में खड़ा कर दो। फिर उम्मीद करो कि मोदी सरकार बिना चुनाव हारे ही गिर जाए। वह रे सियासी शॉर्टकट! जनता के बीच जाने, उसके सवाल सुनने और चुनाव लड़ने की क्या जरूरत है? कैमरे के सामने चिल्लाओ और रातोंरात क्रांतिकारी बन जाओ! कॉकरोच जनता पार्टी ने कमाल का नुस्खा खोजा है। जनता का भरोसा नहीं जीत सकते, तो उसका गुस्सा भड़काओ। समाधान नहीं दे सकते, तो शक और डर बेंचो। चुनाव में विरोधियों को नहीं हरा सकते, तो पूरी व्यवस्था को ही बदनाम कर दो। लेकिन जनाब, लोकतंत्र कोई कॉकरोच दौड़ नहीं है। यहां गंठ के नीचे सबसे तेजी से रेंगने वाला विजेता नहीं बनता। जनता का भरोसा जीतने के लिए जमीन पर उतरना पड़ता है। भारत की विदेश नीति में बढ़ता आत्मविश्वास भी कुछ लोगों को रास नहीं आता। नई दिल्ली का



संदेश साफ है। देश के फैसले राष्ट्रीय हितों के हिसाब से होंगे, किसी विदेशी दबाव में नहीं। अमेरिका हो, रूस हो या यूरोप, भारत सबके साथ अपने हित देखकर रिश्ते बनाना चाहता है। दुनिया कई ताकतों में बंट रही है। अमेरिका की कुछ नीतियों और एलन मस्क जैसे चर्चित लोगों के विचारों से भारत कई मौकों पर असहमत रहा है। ऐसे माहौल में स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखना जरूरी है। कॉकरोचों को शायद पता भी नहीं होता कि वे किसकी धुन पर नाच रहे हैं। लेकिन उनकी जहरीली सियासत देश में फूट डालने वाली ताकतों के काम जरूर आ सकती है। हर शोर मासूम नहीं होता और हर क्रांतिकारी नाश बदलाव का पैगाम नहीं लाता। कॉकरोच टोली को नियम कायदे और संवैधानिक प्रक्रियाएं भारी लगती हैं। उसे हर फैसला तुरंत चाहिए, वह भी शाम की टीवी बहस से पहले। सुप्रीम कोर्ट वही फैसला दे, जो इन्हें पसंद हो। चुनाव आयोग वही करे, जो इनकी मांग हो। संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति इनके खिलाफ पड़ जाए, तो उसे हटाने की मांग शुरू। बाल न बने, तो पूरी व्यवस्था को भ्रष्ट और बेकार घोषित कर दो। तो क्या अगली बार संसद के फैसले भी हैशटैग से होंगे? क्या जजों के निर्णय ऑनलाइन वोटिंग से तय होंगे? क्या संवैधानिक पदों पर नियुक्तियां जंतर मंतर की नारेबाजी से होंगी? संविधान पढ़ने में सड़के और ईमानदार प्रशासन चाहिए। यूनिवर्सिटी हर किसी को लोकतंत्र में पीएचडी बांट रही है। अदालतों की अपनी प्रक्रिया होती है और संवैधानिक पदों की गरिमा भी जरूरी है। विवादों का फैसला सबूत और कानून के आधार पर होना चाहिए। प्रक्रिया धीमी लग सकती है, लेकिन लोकतंत्र दो मिनट में तैयार होने वाला नूडल नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग भी संविधान और कानून के दायरे में परखी जानी चाहिए। विपक्ष को सवाल उठाने और सरकार की आलोचना करने का पूरा हक है। लेकिन सड़क पर भीड़ जुटाकर किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की मांग करना कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकता। दावा मजबूत है, तो सबूत पेश कीजिए। अदालत का फैसला जरूरी है, तो उसका दरवाजा खटखटाइए। हर विवाद को सड़क का तमाशा बनाने की जरूरत क्या है? भारत में नियमित चुनाव होते हैं। राजनीतिक दल सरकार की आलोचना कर सकते हैं और जनता से समर्थन मांग सकते हैं। लोकतंत्र का असली मैदान यही है, जहां जनता को अपनी पसंद की सरकार चुनने का अधिकार है। लेकिन चुनाव जीतना बच्चों का खेल नहीं है। इसके लिए संगठन, भरोसेमंद नेतृत्व और जनता की समस्याओं का समाधान चाहिए। लोगों को रोजगार, अच्छे स्कूल, सस्ता इलाज, साफ हवा, सुरक्षित सड़कें और ईमानदार प्रशासन चाहिए। सिर्फ नारों से पेट नहीं भरता। गालियों से

डाकिया डाक लाया–लाल बक्से से डिजिटल भारत तक विश्वास की यात्रा

डॉ. दीपक गोस्वामी

कभी गाँव की दोपहर घड़ी देखकर नहीं, साइकिल की घंटी सुनकर ढलती थी। गली में खेलते बच्चे ठिठक जाते, चौपाल पर बैठे बुजुर्ग गदगद उठाते और घरों में काम करती स्त्रियों के हाथ थम जाते। फिर एक आवाज गूँजती– ‘डाकिया डाक लाया!’ ये केवल तीन शब्द नहीं थे, पूरे गाँव की धड़कन थे। इनमें माँ की प्रतीक्षा, पत्नी की आस, पिता की चिंता और परदेस गए बेटे की कुशलता छिपी होती थी। डाकिया आता तो लगता, दूर चला गया अपना कोई व्यक्ति कागज के कुछ पन्नों में सिमटकर घर लौट आया है। गाँव की चौपाल की दीवार पर टँगा लाल डाकबक्सा हमारे बचपन का जादुई संदूक था। लोहे का शरीर, उखड़ा रंग, किनारों पर जंग और सामने चिड़्डी डालने के लिए बना छेदा–सा मुँह। अम्मा कहतीं, ढ़्हरसमें चिड़्डी डाल दो, शहर पहुँच जाएगी ढ़्हर नीति में बढ़ता आत्मविश्वास भी हमें जादू रहता है। एक दिन पिता ने फौज में तैनात चाचा को पत्र लिखा। उसमें खेतों का हाल, घर की खबर और माँ की अनकही चिंता थी। अम्मा ने हल्दी का टीका लगाया, अक्षत रखे और हमें चिड़्डी डालने भेज दिया। भीतर से टप की आवाज आई। हम देर तक बक्से को देखते रहे, मानो उसने हमारे घर की भावनाएं अपने भीतर संभाल ली हों। डाकिये का इंतज़ार अपने आप में उत्सव था। खाकी वर्दी, कंधे पर थैला, माथे पर पसीना और साइकिल पर मीलों की यात्रा। चिड़्डी आती तो आँगन में चारपाई बिछी, दादी चश्मा खोजतीं और पूरा परिवार पत्र सुनने बैठ जाता। किसी चिड़्डी में बेटे की कुशलता होती, किसी में बेटों का समाचार, तो किसी में घर लौटने की तारीख। फिर आता मनीऑर्डर। डाकिया रुपये गिनकर देता, अंगूठा लगवाता और जाते–जाते कहता, “भाभी, गिन लो!” इस छोटै–से वाक्य में हिसाब भी था और अपनापन भी। उन रुपयों में परदेस में बेटे की मेहनत, माँ की दवा और बच्चों की पढ़ाई शामिल होती थी। डाकिया केवल पैसा नहीं,



परिवार की चिंता का समाधान लेकर आता था। वह सरकारी कर्मचारी जरूर था, लेकिन गाँव के लिए घर का आदमी था। फिर समय बदला। मोबाइल आए, संदेश पल भर में पहुँचने लगे और चिड़ियों की प्रतीक्षा इतिहास बनने लगी। लाल बक्से पर धूल जम गई। लगा, कहानी खत्म हो गई। लेकिन कुछ कहानियां समाप्त नहीं होतीं; समय के साथ अपना रूप बदल लेती हैं। वषों बाद गाँव लौटा तो वही डाकिया दिखाई दिया। बाल सफेद थे, चाल धीमी थी, मगर चेहरे पर वही मुस्कान थी। थैले में अब चिड़ियों के साथ आधुनिक उपकरण भी थे। मैंने पूछा, ‘चाचा, अब क्या लाते हो?’ वह हँसा, ‘बेटा, अब भी लोगों के काम आता हूँ। बस, काम बदल गए हैं।’ उसके उत्तर में बदलते भारत की पूरी कहानी छिपी थी। आज भारतीय डाक केवल पत्र और पार्सल पहुँचाने तक सीमित नहीं है। इसकी सेवाओं में त्वरित डाक, पंजीकृत डाक, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पार्सल तथा उनकी स्थिति जानने जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। छोटे दुकानदार, ग्रामीण कारीगर और महिला स्वयं सहायता समूह अपने उत्पाद उचित पैकिंग के साथ दूसरे शहरों तक भेजने के लिए डाक नेटवर्क का उपयोग कर सकते हैं। इस तरह डाक सेवा संदेशवाहक होने के साथ ग्रामीण आजीविका के विस्तार में भी सहायक बनती है।

डाकघर में बचत खाता, आवर्ती जमा, सावधि जमा, मासिक आय योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, लोक भविष्य निधि, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, किसान विकास पत्र और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। इनके नियम, पावता और ब्याज दरें अलग–अलग होती हैं। किसी मजदूर की छोटी बचत हो या बेटों की शिक्षा के लिए जमा धन, इन योजनाओं के पीछे सुरक्षित भविष्य का सपना होता है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से पात्र ग्राहकों को खाता खोलने, नकद जमा करने और निकालने, धन हस्तांतरित करने तथा बिल भुगतान जैसी बैंकिंग सुविधाएँ मिल सकती हैं। उपलब्ध व्यवस्था के अनुसार डाकिया या ग्रामीण डाक सेवक घर–द्वार बैंकिंग में सहायता कर सकते हैं। आधार–सक्षम भुगतान प्रणाली से भी पात्र खाताधारक निर्धारित सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। कल्पना कीजिए उस वृद्धा की, जिसे पेंशन लेने बैंक तक जाना कठिन लगता है। यदि उसके क्षेत्र में संचित सुविधा उपलब्ध है, तो आवश्यक शर्तें पूरी हैं, तो घर के पास मिली बैंकिंग सहायता उसके लिए कितनी बड़ी राहत बन सकती है। यहाँ तकनीक का मूल्य केवल गति नहीं, बल्कि समय, श्रम और सम्मान की बचत है। डाक विभाग की डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजनाएँ निर्धारित पात्रता के अनुसार बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराती हैं। वर्तमान डाकघरों में आधार नामांकन अथवा निर्धारित संशोधन और पासपोर्ट आवेदन से जुड़ी सुविधाएँ भी मिलती हैं। कुछ व्यवस्थाओं के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र, उपयोगिता बिल भुगतान और अन्य डिजिटल सेवाओं में सहायता उपलब्ध हो सकती है। हालाँकि, प्रत्येक सेवा हर डाकघर में उपलब्ध नहीं होती; स्थानीय उपलब्धता और संबंधित नियमों की जानकारी आवश्यक है। इन सुविधाओं का असली महत्त्व उनकी संख्या में नहीं, उस व्यक्ति के जीवन में आए बदलाव में है, जिसे इनके कारण अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलती है। विकास का अर्थ

केवल नई मशीनें लगाना नहीं, बल्कि उन लोगों तक सुविधा पहुँचाना है, जिनके लिए सुविधा सबसे अधिक जरूरी है। तकनीक लेन–देन कर सकती है, लेकिन भरोसा व्यवहार से बनता है। किसी बुजुर्ग को प्रक्रिया समझाना, किसान को सही सेवा तक पहुँचाना और ग्रामीण महिला को अपने काम के लिए मार्गदर्शन देना मानवीय संवेदना माँगता है। इसलिए आधुनिक डाक व्यवस्था को बेहतर प्रशिक्षण, पर्याप्त संसाधन, सुरक्षित लेन–देन और जवाबदेह सेवा की भी जरूरत है। ग्राहकों को अपनी गोपनीय पहचान संख्या, एकबारगी पासवर्ड और बैंकिंग संबंधी संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रखनी चाहिए। आज भी डाकिये की सबसे बड़ी पूँजी उसका थैला नहीं, लोगों का विश्वास है। यही विश्वास कभी चिड़ियों के साथ चलता था और आज नई सेवाओं के माध्यम से गाँव की देहरी तक पहुँच सकता है। लौटते समय मेरी नजर फिर लाल बक्से पर पड़ी। समझ आया कि उसका जादू लोहे में नहीं था। जादू उस विश्वास में था कि हमारी बात किसी तक पहुँचेगी, जरूरत के समय कोई दरवाजा खटखटाएगा और दूर बैठा अपना हमसे जुड़ा रहेगा। पहले बक्से में चिड़्डी गिरती थी और घर में भावनाएँ उतर आती थीं। आज माध्यम बदल गए हैं, सेवाएँ बढ़ गई हैं, लेकिन मनुष्य की मूल जरूरत नहीं बदली। उसे सुविधा के साथ सम्मान और व्यवस्था के साथ अपनापन चाहिए। साइकिल की घंटी बजी। डाकिया अगली गली की ओर बढ़ गया। पहले उसके थैले में चिड़ियों की सरसराहट थी, आज आधुनिक उपकरणों की बीप है। मगर उस आवाज का अर्थ अब भी वही है–कोई आया है, जो हमारे काम आएगा। ढ़्हरडाकिया डाक लायाह–यह केवल बचपन की स्मृति नहीं, उस भारत की पहचान है, जहाँ विकास की सार्थकता इस बात में है कि सेवा अंतिम व्यक्ति की देहरी तक पहुँचे और उसे महसूस हो कि व्यवस्था उसके साथ है।

दिनांक 13 अक्टूबर 2026 मंगलवार	
प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी अंशेय से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)	राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएँ जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। वृश्चिक आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे। धनु आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी महरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को अन्न का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों। मकर आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति	आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएँ जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। वृश्चिक आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे। धनु आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी महरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को अन्न का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों। मकर आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति
---	---

मिलने के योग बन रहे हैं। मंगलवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएँ समाप्त होंगी। कुंभ आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। हनुमान मंत्र का जाप करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। मीन आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को फल वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों। आज का वास्तु शोधनम सूत्र मंगलवार के दिन घर के दक्षिण यानी मंगल दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहीं लाल रंग के झंडे की स्थापना करने तथा हनुमान जी का चित्र लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा बजरंगबली की कृपा से सुरक्षा और पराक्रम का अखंड वास होता है।	मिलने के योग बन रहे हैं। मंगलवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएँ समाप्त होंगी। कुंभ आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। हनुमान मंत्र का जाप करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। मीन आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को फल वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों। आज का वास्तु शोधनम सूत्र मंगलवार के दिन घर के दक्षिण यानी मंगल दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहीं लाल रंग के झंडे की स्थापना करने तथा हनुमान जी का चित्र लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा बजरंगबली की कृपा से सुरक्षा और पराक्रम का अखंड वास होता है।
---	---

गोविंद कुंड पर 251 अभ्यासी एवं स्वयंसेवकों ने की स्वच्छता सेवा

गोवर्धन के गोविंद कुंड पर ‘ब्रज वैभव अभियान’ के तहत स्वच्छता सेवा, 251 अभ्यासी और स्वयंसेवकों ने लिया हिस्सा

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में चला अभियान

सामूहिक ध्यान के बाद गोविंद कुंड और आसपास के क्षेत्र में की सफाई, ‘स्वच्छ ब्रज, दिव्य ब्रज’ का दिया संदेश

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



ब्रज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से रविवार को गोवर्धन स्थित गोविंद कुंड पर ह्वाब्रज वैभव अभियानह्वा के अंतर्गत स्वच्छता सेवा आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस के

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभियान में 251 अभ्यासी एवं स्वयंसेवकों ने भाग लेकर स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान की शुरूआत सामूहिक ध्यान से हुई।

इस दौरान बताया गया कि हार्टफुलनेस एक वैश्विक आध्यात्मिक संस्था है, जो ध्यान

एवं योग के माध्यम से आंतरिक शांति और आत्म-विकास को प्रोत्साहित करती है। इसके वैश्विक मार्गदर्शक कमलेश डी. पटेल, पद्म भूषण से सम्मानित आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं, जो सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए प्रेरित करते हैं।

इसके बाद स्वयंसेवकों ने गोविंद कुंड और उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई कर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों से धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने और ब्रज की प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने में सहयोग करने की अपील

गोवर्धन में प्रेस क्लब निर्माण की पहल, गिरिराज जी के दुग्धाभिषेक के बाद पत्रकारों ने लिया एकजुटता का संकल्प

दानघाटी मंदिर में पत्रकारों ने गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक कर की सुख-समृद्धि की कामना।

–पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में पत्रकारों की बैठक, प्रेस क्लब निर्माण और आपसी सहयोग पर हुई चर्चा।

–वरिष्ठ पत्रकार ठाकुर प्रकाश सिंह बोले– सभी साथी मिलकर जुटाएंगे सहयोग राशि, सामूहिक प्रयास से बनेगा प्रेस क्लब।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

धार्मिक नगरी गोवर्धन में रविवार को जनपद के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रमुख समाजसेवी ठाकुर प्रकाश सिंह ने अपने पत्रकार साथियों के साथ दानघाटी मंदिर में गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने गिरिराज महाराज से सभी के सुख-समृद्धि और क्षेत्र में सुख-शांति की कामना की। धार्मिक



अनुष्ठान के उपरांत कस्बे के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में गोवर्धन के पत्रकारों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पत्रकारों की एकजुटता और गोवर्धन में प्रेस क्लब के निर्माण को लेकर चर्चा

हुई। बैठक में चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार भी मौजूद रहे।

बैठक में पत्रकारों ने आपसी सहयोग और एकता को मजबूत बनाने पर जोर दिया। साथ ही गोवर्धन में पत्रकारों के लिए एक

महाराजा अग्रसेन जी की 51: समाजवाद और परोपकार के संदेश से सजी 5150वीं जयंती, राज्य महिला आयोग की सदस्य ने किया मध्य शुभारंभ

कासगंज में महाराजा अग्रसेन की 5150वीं जयंती का भव्य शुभारंभ, राज्य महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड़ ने किया उद्घाटन।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

जनपद में महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती का पावन पर्व पूरी भव्यता और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में श्री अग्रवाल सभा (रंज.) की ओर से आयोजित जयंती समारोह का विधिवत शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सम्मानित सदस्य श्रीमती रेनू गौड़ जी ने किया।

समारोह का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इस दौरान अतिथियों और आयोजकों ने युगपुरुष के चरणों में नमन कर उनके कृतित्व एवं समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती रेनू गौड़ जी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का जीवन संदेव सेवा, समता, सामाजिक सद्भाव और जनकल्याण की भावना को समर्पित रहा है। उन्होंने जिस ‘एक रुपया, एक ईंट’ की अनूठी परंपरा के जरिए समाज के हर वर्ग को संबल देने का कार्य किया, वह आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा दिए गए परोपकार, सहयोग और सामाजिक समानता के संदेश आज के दौर में समाज को



एकजुट होकर आगे बढ़ने की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में श्री अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सभा के अध्यक्ष श्री पवन गोयल (किताब वाले) जी ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से निम्नलिखित गणमान्य जन उपस्थित रहे:

मर्यक अग्रवाल,युगल बंसल,मर्यक मित्तल, विपिन गर्ग कांटा,अखिलेश अग्रवाल सहित सभा के तमाम अन्य पदाधिकारी एवं शहर के संत्रांत नागरिक।

नवरात्रि पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने कासगंज पहुंचे एडीजी एसके भगत, चामुंडा मंदिर में जांची पुलिस की मुस्तैदी



कासगंज। नवरात्रि पर्व के शुभारंभ के साथ ही जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से समान करने के उद्देश्य से रविवार को आगरा जोन के एडीजी एसके भगत ने पुलिस अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई। साथ ही ड्रोन कैमरे के माध्यम से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और आसपास के इलाकों की निगरानी की गई।

एडीजी एसके भगत के साथ पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार तथा क्षेत्राधिकारी नगर आंबल चौहान ने कोतवाली कासगंज क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा इंतजामों का

निरीक्षण किया। अधिकारियों ने क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का जायजा लेते हुए आमजन में सुरक्षा की भावना बनाए रखने और कानून-व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में की गई गश्त के दौरान संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया।

इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने मां चामुंडा मंदिर परिसर पहुंचकर वहां की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। मंदिर में तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी चेक की गई और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर जरूरी निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि पर्व के दौरान भीड़ के कारण किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

नव चयनित होमगाइड्स का मेडिकल आज से 393 पुरुष एवं 96 महिला अभ्यर्थी शामिल

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला कमाण्डेंट होमगाइड्स डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद मथुरा के नवचयनित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों का चिकित्सा परीक्षण 12 अक्टूबर 2026 से 22 अक्टूबर 2026 तक पुलिस लाइन, मथुरा में होना निर्धारित है। जनपद मथुरा के कुल 489 नवचयनित अभ्यर्थियों, जिसमें 393 पुरुष एवं 96 महिला अभ्यर्थी सम्मिलित है, के चिकित्सा परीक्षण हेतु निम्नानुसार तिथिवार कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

01. कुल 393 नवचयनित पुरुष अभ्यर्थियों का चिकित्सा परीक्षण 12 अक्टूबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक कराया

जाएगा। अभ्यर्थियों को संख्या को विभाजित करते हुए तिथिवार कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, जिसमें 12 अक्टूबर को 75 अभ्यर्थी, दिनांक 13 अक्टूबर को 75 अभ्यर्थी, 14 अक्टूबर को 75 अभ्यर्थी, दिनांक 15 अक्टूबर को 70 अभ्यर्थी,16 अक्टूबर को 70 अभ्यर्थी तथा 17 अक्टूबर को 28 अभ्यर्थी (शेष रह गए पुरुष अभ्यर्थियों) का चिकित्सा परीक्षण होगा।

02. कुल 96 नवचयनित महिला अभ्यर्थियों का चिकित्सा परीक्षण 21 एवं 22 अक्टूबर 2026 को होगा। 21 अक्टूबर 2026 को 60 महिला अभ्यर्थी तथा दिनांक 22 अक्टूबर 2026 को 36 महिला अभ्यर्थी एवं शेष रह गए महिला व

पुरुष अभ्यर्थियों का चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा।

जिला कमाण्डेंट होमगाइड्स डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सूचित किया है कि समस्त नवचयनित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी अपनी निर्धारित चिकित्सा परीक्षण की तिथि पर प्रातः 09 बजे समस्त औपचारिकताएं जो बुलावा पत्र में अंकित है, को पूर्ण करते हुए पुलिस लाइन, मथुरा में उपस्थित होकर चिकित्सा परीक्षण की कार्यवाही में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करे। निर्धारित तिथि पर अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को अन्य निर्धारित तिथि में मौका दिया जायेगा। 22 अक्टूबर के उपरांत मेडिकल कराया जाना संभव नहीं होगा।

गोवर्धन तहसील ने बिकवाई सरकारी जमीन

–यूपी अधिकतम 7.३0 हैक्टेयर की लिमिट

उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी ठाकुर प्रकाश सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनकी एकजुटता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। गोवर्धन के पत्रकारों के लिए प्रेस क्लब का निर्माण सामूहिक प्रयास से किया जाएगा। इसके लिए किसी एक व्यक्ति पर निर्भर रहने के बजाय सभी पत्रकार मिलकर सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा, हम खुद एक-एक रुपया एकत्रित करेंगे और अपना आशियाना खुद बनाएंगे। जब सभी साथी मिलकर कदम बढ़ाएंगे, तो गोवर्धन में प्रेस क्लब बनाने का सपना जाकर साकार होगा। उन्होंने पत्रकार साथियों से आपसी मतभेद

भुलाकर एकजुट रहने और इस पहल को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने भी प्रेस क्लब निर्माण के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए सामूहिक प्रयास से इसे साकार करने की बात कही। धार्मिक नगरी गोवर्धन में पत्रकारों की इस पहल को एकता, सहयोग और संगठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस मौके पर , सौरभ शर्मा, राजू ठाकुर पत्रकार प्रमुख समाजसेवी ,खना सैनी, दीनू शर्मा मनोज शर्मा मुकेश कौशिक ऋषभ कौशिक नरेश शर्मा रेखा शर्मा राजू कश्यप, धर्मेन्द्र सिंह, सुरेश गौड़, रवि कुमार वर्मा, राजेश लवानिया सहित तमाम पत्रकार बैठक में मौजूद रहे।

तक नहीं की। राज्य सरकार की ओर से भी इस मामले में कोई आपत्ति नहीं की गई।

गांव अड़ोंग के खता संख्या 01807, गाटा संख्या 416 के रकबा 16.169 हैक्टेयर का हर स्वरूप पुत्र डालचंद ने संपूर्ण अंश के चार बैनामे दो वर्ष पूर्व कर दिये जबकि उत्तर प्रदेश में अधिकतम 7.30 हैक्टेयर की लिमिट है । इससे ज्यादा जमीन किसान के नाम नहीं रह सकता। वह बेच भी नहीं सकता। उत्तर प्रदेश अधिकतम सीमा निर्धारण अधिनियम 1960 का उल्लंघन करते हुए अमेरिका निवासी अप्रवासी भारतीय हरस्वरूप ने अपनी संपूर्ण भूमि का पावर आफ अटार्नी करके बगैर भारत आवे विक्रय कर दिया। नियमानुसार 18 एकड़ से ज्यादा भूमि का ट्रॉंसफर किया ही नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है वर्तमान तहसीलदार सुशील गुप्ता ने

तहसीलदार गोवर्धन रहते हुए अपने करीब एक वर्ष पूर्व के कार्यकाल में 8 हैक्टेयर का नियमों को धता-बता लिखिल खारिज भी कर दिया। उल्लेखनीय है कि साल 1973 से उक्त जमीन का सीलिंग का मुकदमा वाद संख्या -डी 20100150048 राज्य बनाम डालचंद एड्रीएम प्रशासन मथुरा के यहां विचाराधीन है। इसमें 13-10-2026 आगामी तिथि निवत है। भूतपूर्व एड्रीएम सतीश चन्द्र त्रिपाठी एवं वर्तमान एड्रीएम अमरेश कुमार ने भी उक्त खसरे में सीलिंग में जमीन छूटने के निर्धारण तक स्थगन आदेश किया हुआ है लेकिन तहसीलदार द्वारा सारे आदेश, नियमों को धता-बता कर क्यों उक्त खसरे का दाखिल खारिज किया गया होगा बताने की जरूरत नहीं है।

मथुरा में राजन उर्फ राजेश की मौत पर परिजनों का आक्रोश, जमुनापार थाना प्रभारी को लाइन हाजिर करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

-5 अक्टूबर से लापता था राजन, परिजनों ने मारपीट के बाद मौत होने का लगाया आरोप।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद मथुरा में राजन उर्फ राजेश की मौत का मामला लगातार तुल पकड़ता जा रहा है। परिजनों ने जमुनापार पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से थाना प्रभारी को तत्काल लाइन हाजिर करने की मांग की है। मृतक के छोटे भाई पूरन सिंह ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए अपने बड़े भाई के साथ मारपीट और उसकी मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

परिजनों के मुताबिक, राजन उर्फ राजेश पुत्र सामल सिंह, निवासी गांव सिहोरा, 5 अक्टूबर से लापता था। पूरन सिंह ने बताया कि 5 अक्टूबर को जमुनापार क्षेत्र में एक ठेके पर उनके बड़े भाई के साथ कहासुनी हुई थी। आरोप है कि इसी दौरान उनके भाई के सिर पर पाना मारकर हमला किया गया। पूरन सिंह ने इस घटना में भीला पुत्र राम सिंह, रवि पुत्र नर्सिंग, शोभा पुत्र नरेंद्र सिंह और नवनी पुत्र पूरन सिंह, निवासी गांव सिहोरा, के नाम लेते हुए आरोप लगाया



कि ये सभी उनके गांव के रहने वाले और पड़ोसी हैं। परिजनों का आरोप है कि इन्हीं लोगों ने उनके बड़े भाई के साथ मारपीट की। पूरन सिंह के अनुसार, घटना के दौरान उनके भाई ने किसी तरह अपनी जान बचाई और डायल 112 पर कॉल करके पुलिस को जानकारी दी। परिजनों का कहना है कि इसके बाद उन्हें थाने जाने के लिए कहा गया। आरोप है कि जब उनका भाई बाइक से वापस आ रहा था, तभी रास्ते में उसे घेर लिया गया और उसके साथ दोबारा जमकर मारपीट की गई। परिवार का आरोप है कि इस घटना के बाद उनके भाई की मौत हो गई। बाद में थाना शेरगढ़ क्षेत्र में उसका शव मिलने

की जानकारी सामने आई। परिजनों का कहना है कि उनके भाई का अज्ञात के रूप में अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिवार सवाल उठा रहा है कि उन्हें अपने भाई का शव क्यों नहीं सीपता गया और पूरे मामले में उनकी सुनवाई क्यों नहीं हुई। वही, पूरन सिंह और अन्य परिजनों ने जमुनापार थाना प्रभारी पर सुनवाई नहीं करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वे दो से तीन दिनों तक थाना प्रभारी के पास पहुंचे, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने सीओ से भी संपर्क किया, लेकिन उनके अनुसार कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। 10 अक्टूबर को रात ग्रामीणों की सीओ सदीप कुमार सिंह से बातचीत हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने जमुनापार थाना प्रभारी को तत्काल लाइन हाजिर करने और मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग उठाई परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से यह भी मांग की है कि मामले में नामजद आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। परिजनों का कहना है कि उन्हें लगातार आशवासन दिया जा रहा है, लेकिन अभी तक न्याय मिलने की दिशा में ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। परिवार की मांग है कि राजन उर्फ राजेश की मौत की निष्पक्ष जांच हो और मामले में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनकी भूमिका की जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए [अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजन उर्फ राजेश की मौत किन परिस्थितियों में हुई? परिजनों के आरोपों की जांच में क्या सामने आएगा? और जमुनापार पुलिस पर लगाए गए गंभीर आरोपों को लेकर वरिष्ठ अधिकारी क्या कार्रवाई करेंगे? फिलहाल, परिजनों के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। अब देखा होगा कि वरिष्ठ अधिकारी इस पूरे मामले में क्या कदम उठाते हैं और पीड़ित परिवार को न्याय कब तक मिल पाता है।

गाजर एक महत्वपूर्ण जड़वाली सब्जी की फ़सल है गाजर की खेती पूरे भारतवर्ष में की जाती है गाजर को कच्चा एवं पकाकर दोनों ही तरह से लोग प्रयोग करते है गाजर में कैरोटीन एवं विटामिन ए पाया जाता है जो कि मनुष्य के शरीर के लिए बहुत ही लाभदायक है नारंगी रंग की गाजर में कैरोटीन की मात्रा अधिक पाई जाती है गाजर की हरी पत्तियों में बहुत ज्यादा पोषक तत्व पाये जाते है जैसे कि प्रोटीन ए मिनिरल्स एवं विटामिन्स आदि जो कि जानवरों को खिलाने पर लाभ पहुंचाते है गाजर की हरी पत्तियां मुर्गियों के चारा बनाने में काम आती है गाजर मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश ए असाम ए कर्नाटक ए आंध्रा प्रदेश ए पंजाब एवं हरियाणा में उगाई जाती है।

जलवायु

गाजर मूलत डंडी जलवायु कि फसल है इसका बीज 7७S से 28 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सफलतापूर्वक उग सकता



गाजर की उन्नत जैविक खेती

है जड़ों कि बृद्धि और उनका रंग तापमान से बहुत अधिक प्रभावित होता है 15.20 डिग्री तापमान पर जड़ों का आकार छोटा होता है परन्तु रंग सर्वोत्तम होता है विभिन्न किस्मों पर तापमान का प्रभाव . भिन्न भिन्न होता है यूरोपियन किस्मों 4.6 सप्ताह तक 4७8 .10 डिग्री से 0 ग्रेड तापमान को जड़ बनते समय चाहिए ए

भूमि

गाजर की खेती दोमट भूमि में अच्छी होती हैण् बुआई के समय खेत की मिट्टी अच्छी तरह भुरभुरी होनी चाहिए जिससे जड़ें अच्छी बनती है भूमि में पानी का निकास होना अतिआवश्यक है।

भूमि कि तैयारी

शुरू में खेत को दो बार विकट्री हल से जोतना चाहिए ए इसके 3.4 जुताइयाँ देशी हल से करें प्रत्येक जुताई के उपरांत पाटा अवश्य लगाएं ए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए 30 सेमी 0 गहराई तक भुरभुरी होना चाहिए

उत्तम किस्में

पूसा केसर

यह लाल रंग की उत्तम गाजर की किस्म हैण् पत्तियाँ छोटी एवं जड़ें लम्बीए आकर्षक लाल रंग केन्द्रीय भाग व संकरा होता है। फ़सल 90.110 दिन में तैयार हो जाती है। पैदावार रू 300.350 किंटल प्रति हेक्टेअर होती हैण्

पूसा : मेघाली रू यह नारंगी गुदेए छोटी टॉप तथा कैरोटीन की अधिक मात्रा वाली संकर प्रजाति है। अगेती बुआईए अगस्त.सितम्बर तक इसकी बुआई अक्टूबर तक कर सकते हैं।मैदान में बीज उत्पन्न होता है।फ़सल बाने के 100.110 दिन में तैयार हो जाती है पैदावार 250.300 किंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

पूसा यमदामिन : यह प्रजाति आई0 ए0 आर0 आई0 के क्षेत्रीय केन्द्र कटराइन द्वारा विकसित की गयी है।इसकी पैदावार 150.200 किंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

नैन्टस : इस किस्म की जड़ें बेलनाकार नारंगी रंग की होती है।जड़ के अन्दर का केन्द्रीय भाग मुलायमए मीठा और सुवासयुक्त होता है।110.112 दिन में तैयार होती है।पैदावार

100.125 किंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

बुआई का समय

मैदानी इलाकों में एशियाई किस्मों की बुआई अगस्त से अक्टूबर तक और यूरोपियन किस्मों की बुआई अक्टूबर से नवम्बर से करते हैं।

बीज की मात्रा

एक हेक्टेअर क्षेत्र के लिए 6.8 कि०ग्रा० बीज की आवश्यकता पड़ती है।

बुआई और दूरी

इसकी बुआई या तो छोटी.छोटी समतल क्यारियों में या 30.40 से०मी० की दूरी पर मेंड पर करते हैंण्

निराई.गुड़ाई व सिंचाई

बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए।पहली सिंचाई बीज उगने के बाद करें।शुरू में 8.10 दिन के अन्तर पर तथा बाद के 12.15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करेंण्

खाद और उर्वरक

एक हेक्टेअर खेत में लगभग 25.30 टन सही गोबर की खाद अन्तिम जुताई के समय तथा 30 कि०ग्रा० नाइट्रोजन तथा 30 कि०ग्रा० फ़ास्फ़ा प्रति हेक्टेअर की दर से बुआई के समय डालें।बुआई के 5.6 सप्ताह बाद 30 कि०ग्रा० नाइट्रोजन को टॉप ड्रेसिंग के रूप में डालेंण्

खरपतवार नियंत्रण

गाजर कि फसल के साथ अनेक खरपतवार उग आते है ए जो भूमि में नमी और पोषक तत्व लेते है ए जिसके कारण गाजर के पौधों का विकास और बढ़वार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है अत रू इन्हें खेत से निकालना अत्यंत आवश्यक हो

जाता है निराई करते समय पत्तियों से आवश्यक पौधे निकाल कर मध्य कि दुरी अधिक कर देनी चाहिए बृद्धि करती हुई जड़ों के समीप हल्की निराई गुड़ाई करते रहना चाहिए ण

कीट नियंत्रण

गाजर कि फसल पर निम्न कीड़े मकोड़ों का प्रकोप मुख्य रूप से होता है गाजर कि विविल रू छ धब्बे वाला पत्ती का टिट्ठा। नीम का काढ़ा तर बतर कर पम्प द्वारा 10 .15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करे ।

सिंचाई

बुवाई के बाद नाली में पहली सिंचाई करनी चाहिए जिससे मेंडों में नमी बनी रहे बाद में 8 से 10 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिएण् गर्मियों में 4 से 5 दिन के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिएण् खेत को कभी सूखना नहीं चाहिए नहीं तो पैदावार कम हो जाती है।

रोग नियंत्रण

आद्र विगलन : यह रोग पिथियम अफनिडुरमैटम नामक फ फूंदी के कारण होता है इस रोग के कारण बिज के अंकुरित होते ही पौधे संक्रमित हो जाते हैं . कभी कभी अंकुर भूमि से बाहर नहीं निकाल पाता है और बीज पूरा ही सड़ जाता है तने का निचला भाग जो भूमि कि सतह से लगा रहता है । सड़ जाता है फलस्वरूप पौधे वही से टूट कर गिर जाते है पौधों का अचानक गिर पड़ना और सड़ जाना आद्र विगलन का प्रमुख कारण है।

रोकथाम

- बीज को बोने से पूर्व गौ मूत्र से उपचारित करें
- हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
- जीवाणु मृदु सडन और बिगवड रोग
- यह रोग इर्विनिया कैरोटोवोरा नामक जीवाणु फैलता है इस रोग का प्रकोप विशेष रूप से गुदेदार जड़ों पर होता है जिसके कारण जड़े सड़ने लगती है ऐसी भूमियों में जिनमे जल निकास कि अच्छी व्यवस्था नहीं होती है ।या निचले क्षेत्र में बोई गई फ सल पर यह रोग अधिक लगता है ।
- खेत में जल निकास का उचित प्रबंध करना चाहिए ।

नीम का काढ़ा

25 ग्राम ताजा हरा नीम कि पत्ती तोड़ कर कुचल कर पिस कर किलो 50 लीटर पानी में मिलाकर उबलाते है जब पानी 20 .25 लीटर रह जाये तब उतार कर ठंडाकर आधा लीटर प्रति पम्प पनी में मिलाकर प्रयोग करे ।

गौ रू मूत्र

10 लीटर देसी गाय का गौ मूत्र लेकर पारदर्शी कांच के या प्लास्टिक के बर्तन में 15 .20 दिन धुप में रखने के बाद आधा लीटर प्रति पम्प पानी मिलाकर तर बतर कर फसलों पर छिड़काव करे ।

आलू की खेती के लिए उपयुक्त समय

कुफरी नवताल जी 2524

आलू की इस किस्म में फसल 75 से 85 दिनों में तैयार हो जाती है। इसमें 200 से 250 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी बहार 3792 ई

इस किस्म में फसल 90 से 110 दिनों में तैयार हो जाती हैए जबकि गर्मियों में 100 से 135 दिनों में फसल तैयार होती है।

कुफरी शील मान

आलू की खेती की यह किस्म 100 से 130 दिनों में तैयार होती हैए जबकि उपज 250 किंटल प्रति हेक्टेयर तक होती है।

कुफरी ज्योति

इस किस्म में फसल 80 से 150 दिनों में तैयार हो जाती है। यह किस्म 150 से 250 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है।

कुफरी सिंदूरी

इस किस्म से आलू की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 किंटल

प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी बादशाह

आलू की खेती में इस किस्म में फसल 100 से 130 दिन में तैयार हो जाती है और 250.275 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी देवा

इस किस्म में आलू की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी लालिमा

इस किस्म में फसल सिर्फ90 से 100 दिन में ही तैयार हो जाती है। यह अगेती झुलसा के लिए मध्यम अवरोधी है।

कुफरी लवकर

इस किस्म में 100 से 120 दिनों में फसल तैयार हो जाती है और 300 से 400 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी स्वर्ण

इस किस्म से फसल 110 दिन में तैयार हो जाती

है और उपज 300 किंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

संकर किस्में

कुफरी जवाहर जेएच 222

इस किस्म में 90 से 110 दिन में फसल तैयार हो जाती है और खेतों में अगेता झुलसा और फेम रोग की यह प्रतिरोधी किस्म है। इसमें 250 से 300 किंटल उपज होती है।

ई 4486

135 दिन में तैयार होने वाली फसल की इस किस्म में 250 से 300 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज तैयार होती है ।यह किस्म हरियाणाए उत्तर प्रदेशए बिहारए पश्चिम बंगालए गुजरात और मध्य प्रदेश के लिए अधिक उपयोगी है ।

लखनऊ। आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। आलू की खेती के लिए यह समय उपयुक्त है क्योंकि आलू के लिए छोटे दिनों की अवस्था की आवश्यकता होती है। भारत के किसी भी भाग में तो पूरे वर्ष आलू की खेती की जाती है। आइये आपको बताते हैं कि इस समय आलू की खेती के लिए कौन-कौन सी किस्में हैं।

यह है आलू की किस्में

केंद्रीय आलू अनुसंधान शिमला की ओर से आलू की कई किस्में विकसित की गई हैंए जो इस प्रकार हैं।

इंदौर में अभिषेक का तूफान, वेस्टइंडीज की 14 रन से हार

○ **एजेंसी, इंदौर।**

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले को 14 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान देश ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली है। रविवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पारी की अंतिम गेंद पर 223 रन पर सिमट गई।

मेजबान टीम ने 7 के स्कोर पर संजु सैमसन (3) के रूप में पहला विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद ईशान किशन ने अभिषेक शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 108 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 115 के स्कोर तक पहुंचाया। ईशान 18 गेंदों में 7 बाउंड्री के साथ 37 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। इस बीच अभिषेक शर्मा 30 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों के साथ 69 रन बनाकर आउट हो गए। आलम ये रहा कि टीम ने 135 रन तक 5 विकेट खो दिए।

इसके बाद तिलक वर्मा ने नितीश रेड्डी के साथ छठे विकेट के लिए 34 रन और अक्षर पटेल के साथ सातवें विकेट के लिए 25 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। तिलक वर्मा 28 रन



बनाकर आउट हुए, जबकि नितीश रेड्डी ने 21 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 20 रन बनाए। मेहमान खेमे से रोस्टन चेज, शमर जोसेफ और शमर सिंगर ने 2-2 विकेट निकाले। कीमो पॉल और गुडाकेश मोती ने 1-1 विकेट चटकाए।

इसके जवाब में वेस्टइंडीज निर्धारित ओवरों में 209/7 का स्कोर ही बना सकी। इस टीम को भी 7 के स्कोर पर पहला झटका लगा। कप्तान शाई होप महज 5 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद शिमरॉन हेटमायर ने कामिल पूरण के साथ दूसरे विकेट के लिए 31

गेंदों में 60 रन जुटाए। कामिल 27 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 42 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हेटमायर ने 26 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 43 रन की पारी खेली।

इस टीम ने 105 रन तक चौथा विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद शेरफन रदफोर्ड (32) ने क्वेंटिन सैमसन (21) के साथ पांचवें विकेट के लिए 27 गेंदों में 46 रन जुटाए। रोस्टन चेज (नाबाद 5) ने शमर सिंगर (नाबाद 35) के साथ आठवें विकेट के लिए 13 गेंदों में 35 रन की अटूट साझेदारी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला

सके। भारत की तरफ से अश्वीप सिंह ने 44 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि नमन धीर ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, अक्षर पटेल और नितीश रेड्डी को 1-1 सफलता हाथ लगी।

भारत ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी, जिसके बाद टी20 सीरीज के पहले मैच को 8 विकेट से जीता,लेकिन दूसरे मुकाबले को वेस्टइंडीज ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। सीरीज के अंतिम दो मुकाबले 14 और 17 अक्टूबर को क्रमशः हैदराबाद और बेंगलुरु में खेले जाने हैं।

विराट कोहली ने अचानक टेस्ट क्यों छोड़ा?

संन्यास से पहले क्या-क्या हुआ था, वसीम जाफर ने सुनाई पूरी कहानी



○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने दावा किया है कि कोहली इस बात से नाराज थे कि उनके टेस्ट करियर के अंत से जुड़े घटनाक्रम को किस तरह संभाला गया। जाफर का मानना है कि कोहली अभी टेस्ट क्रिकेट में और खेल सकते थे और उनके जैसे बड़े खिलाड़ी के मामले को बेहतर तरीके से संभाला जाना चाहिए था। विराट कोहली ने 12 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने 14 साल के अपने टेस्ट करियर में 123 मुकाबले खेले और 9230 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 30 शतक निकले।

'विराट इस बात से थोड़े नाराज थे कि चीजों को कैसे संभाला गया'

वसीम जाफर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कोहली के संन्यास और उससे जुड़े घटनाक्रम पर बात की। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा था कि विराट इस बात से नाराज थे कि पूरे मामले

'इन मामलों को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था'

वसीम जाफर ने कहा कि कोहली इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में उनके संन्यास के आसपास की परिस्थितियों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, 'वह तैयारी कर रहे थे और इंग्लैंड दौरे के लिए खुद को तैयार कर रहे थे। इसलिए इन सभी चीजों को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। मेरा मानना है कि कुछ लोगों से जुड़े मामलों को भी बेहतर ढंग से सुलझाया जा सकता था।' जाफर के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट में कुछ बड़े फैसले लिए गए, जिनमें से कई सफल रहे, लेकिन कुछ फैसलों से खिलाड़ी और प्रशंसक निराश भी हुए। उन्होंने माना कि फैसले लेने के साथ-साथ उन्हें लागू करने और संबंधित खिलाड़ियों तक अपनी बात पहुंचाने का तरीका भी महत्वपूर्ण होता है।

टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन के लिए चयनकर्ताओं को जिम्मेदार नहीं मानते जाफर

भारतीय क्रिकेट में चयन संबंधी फैसलों पर बात करते हुए जाफर ने सफेद गेंद और लाल गेंद के क्रिकेट के प्रदर्शन में अंतर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में टीम उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाई है। जाफर ने कहा, 'हमने सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। लाल गेंद के क्रिकेट में हमारा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके लिए चयनकर्ताओं को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह जिम्मेदारी कोच और कप्तान की होती है। मैदान पर किस टीम को उतारना है, यह उनका फैसला होता है। चयनकर्ता केवल खिलाड़ियों का चयन कर सकते हैं।' उन्होंने चयन प्रक्रिया से जुड़े काम को कुल मिलाकर ठीक बताया, लेकिन यह भी कहा कि कुछ साहसी फैसलों से कई खिलाड़ी और प्रशंसक निराश हुए। उनके अनुसार, इन फैसलों को अधिक कूटनीतिक और बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था।

को किस तरह संभाला गया। जाफर ने कहा, 'हां, बिल्कुल। ऐसा लग रहा था कि विराट इस बात से थोड़े नाराज थे कि चीजों को किस तरह संभाला गया। विराट जैसे खिलाड़ी स्टेडियम में दर्शकों को खींचते हैं और उनकी लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। वह निश्चित रूप से और टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे। जब तक विराट खुद यह नहीं बताते कि वास्तव में क्या हुआ था, तब तक हमें पूरी सच्चाई पता नहीं चल सकती।' इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहे थे कोहली

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास से पहले उनके भविष्य को लेकर काफी समय तक असमंजस बना हुआ था। वह इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे और टेस्ट क्रिकेट में खेलना जारी रखने के इच्छुक थे। जनवरी 2025 में उन्होंने दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी का मुकाबला भी खेला था, जिसे लाल गेंद के क्रिकेट के प्रति

उनकी प्रतिबद्धता के तौर पर देखा गया।

रिपोर्टर्स के मुताबिक, अप्रैल 2025 में स्थिति बदल गई। चयनकर्ताओं ने कोहली को बताया कि टीम प्रबंधन इंग्लैंड दौरे के लिए युवा कप्तान को समर्थन देना चाहता है। साथ ही, उन्हें यह भी बताया गया कि टीम में उनकी जगह का फैसला दूसरे बल्लेबाजों की तरह उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

बताया जाता है कि इससे कोहली निराश हो गए और उन्होंने चयनकर्ताओं को इंग्लैंड दौरे का हिस्सा नहीं बनने की जानकारी दी। उनके करीबी लोगों और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बोसिसीआई) के कुछ अधिकारियों ने उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश भी की, लेकिन ये प्रयास सफल नहीं हुए। हालांकि, इन घटनाक्रमों को लेकर कोहली की ओर से पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

परिवार संग सैर पर निकलीं कियारा



कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। 'सिडकी' के नाम से मशहूर इस बॉलीवुड कपल की एक साल की बेटी है, जिसका नाम सराया मल्होत्रा है। अपनी दूसरी प्रेग्नेसी की घोषणा के कुछ दिनों बाद, कियारा ने एक फैमिली वेकेशन की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। साराया अपनी मां की इंस्टाग्राम फोटो सीरीज में प्यारी सी झलक देती नजर आईं।

परिवार के साथ छुट्टियों पर कियारा

कियारा की इंस्टाग्राम पोस्ट में सराया के पैरों के निशान नजर आए हैं। तीन लोगों के इस परिवार ने बीच पर अपने पैरों के निशान छोड़े और एक प्यारी सी तस्वीर खिंचवाई। परिवार ने बीच पर पोज दिए। पुल में आराम करते हुए समय बिताया और सड़कों पर आम लोगों की तरह घूमते हुए नजर आए।

कब दी दूसरी प्रेग्नेसी की जानकारी?

कियारा और सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर 7 अक्तूबर को दूसरी प्रेग्नेसी खबर शेयर की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे से नवाजे गए हैं। हमारे दिल प्यार और आभार से भरे हुए हैं।'।

सलमान ने किया दूसरी प्रेग्नेसी की तरफ इशारा

हाल ही में सलमान खान ने कियारा से

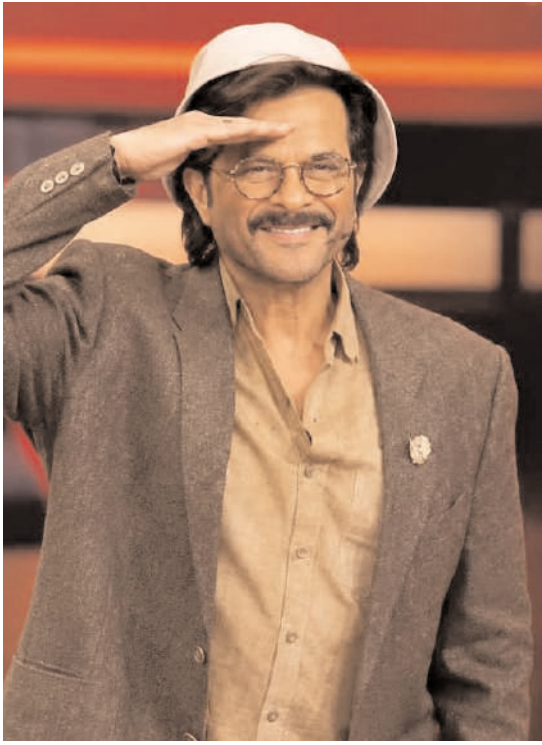
क्या जान्हवी कपूर अपना ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी में हैं?

जान्हवी कपूर जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पोस्ट में जान्हवी मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट करती नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके हाथों में कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जान्हवी की इस पोस्ट ने फैस और ब्यूटी लवर्स का ध्यान खींचा है। कई लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस अपना खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, अभी तक जान्हवी या उनकी टीम की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पोस्ट में जिस तरह से ब्यूटी प्रोडक्ट्स और मेकअप पर फोकस किया गया है, उसने इन अटकलों को और हवा दे दी है। दिलचस्प बात यह है कि यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हुई है, जब जान्हवी कपूर हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपनी मौजूदगी को लेकर सुर्खियों में थीं। ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर फैशन और ब्यूटी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने तक, जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही हैं।

अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।



39 साल बाद भी फिट है 'मिस्टर इंडिया' वाली ड्रेस, चोर बाजार से खरीदी थी जैकेट : अनिल कपूर



बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर शो 'इंडिया के टॉप 1%' में बतौर होस्ट नजर आ रहे हैं। शो के दौरान अभिनेता ने फिल्म 'मिस्टर इंडिया' वाले दिनों को फिर से ताजा किया। दरअसल, शो के दौरान अभिनेता प्रसिद्ध फिल्म 'मिस्टर इंडिया' वाली मशहूर जैकेट पहनकर आए थे। अभिनेता ने खुलासा किया कि ये जैकेट उन्होंने मुंबई के 'चोर बाजार' से खरीदी थी। अपने आइकॉनिक लुक को याद करते हुए अनिल ने कहा, "आज भी मुझे ये शर्ट, पैंट और जैकेट फिट आते हैं। 39 साल बाद भी सब कुछ फिट आ रहा है। टीम ने कहा था कि काश मिस्टर इंडिया वाली कॉस्ट्यूम मिल जाती, तो मैंने कहा- मैंने तो उसे संभालकर रखा हुआ है।"

जैकेट के पीछे की कहानी बताते हुए अनिल ने कहा, "जैकेट मैंने चोर बाजार से खरीदी थी। इतेफाक से मैंने बाल भी लंबे कर रखे हैं, जैसे 'मिस्टर इंडिया' में थे। तो आज बाल भी लुक पर सूट कर रहे हैं।"

इस एपिसोड के पीछे की सोच के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, "हम जो एपिसोड कर

रहे हैं, वो सामाजिक तौर पर बहुत अहम है। यही इसका मूल विषय था और राज कपूर साहब ने फिल्म देखने के बाद यही कहा था। फिल्म से क्या सीख मिलती है? सीख यही है कि हर कोई मिस्टर इंडिया बन सकता है। ये एपिसोड उन लोगों के बारे में है जो देश की सेवा करते हैं। वे बिना कुछ उम्मीद किए देश के लिए काम करते हैं। वे इसे अपना नैतिक कर्तव्य समझकर करते हैं। वे ही भारत को आज जो है वो बनाते हैं।"

'मिस्टर इंडिया' शेखर कपूर द्वारा निर्देशित एक साइंस फिक्शन सुपरहीरो फिल्म है। अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीश पुरी स्टारर ये फ़िल्म अरुण वर्मा (अनिल कपूर) के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो अनाथ बच्चों को अपने घर में पनाह देता है और उनका ख्याल रखता है।अरुण को अपने वैज्ञानिक पिता का बनाया हुआ एक ऐसा यंत्र (घड़ी) मिलता है, जिसे पहनकर कोई भी इंसान गायब हो सकता है। देश को तबाह करने की मंशा रखने वाले एक खतरनाक तानाशाह और खलनायक 'मोगेम्बो' (अमरीश पुरी) से बच्चों और पूरे देश को बचाने के लिए अरुण

जब सलमा ने अपने पति को यकीन दिलाया कि उनका अफेयर चल रहा

क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड अभिनेत्री सलमा हायेक ने एक बार सिर्फ एक पिल्ला पालने के लिए अपने बिजनेसमैन पति फ्रांस्वा-हेनरी पिर्नाल्ट को यह भरोसा दिला दिया था कि उनका किसी और से अफेयर चल रहा है? उस समय उनके घर पर पहले से ही लगभग 30 जानवर थे, जिनमें कुत्ते, तोते, अल्पाका, घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं।

'फ्रोंडा' एक्ट्रेस ने अपने पति से वादा किया था कि वह घर पर और कोई जानवर नहीं लाएंगी। लेकिन, जब वह बुल्गारिया में शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें रास्ते में एक छोटा सा बेसहारा पिल्ला मिला और सलमा का दिल उसे वहीं छोड़ने को नहीं माना।

हालांकि, उन्होंने अपने पति को मनाने का एक चालाक तरीका निकाला। उन्होंने तय किया कि वह उन्हें यकीन दिलाएंगी कि उनका अफेयर चल रहा है और जब उन्हें सबसे बुरा शक हो जाएगा, तब वह उन्हें सच बता देंगी।

द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फैलन' में सलमा हायेक ने इस मजेदार घटना के बारे में अपने शब्दों में बताया, "मेरे पति ने मुझे चेतावनी दी थी कि 'और नहीं, अब और कुत्ते नहीं', इसलिए मैंने वादा किया था। मैंने सोचा, 'मैं उन्हें यकीन दिलाऊंगी कि मेरा अफेयर

चल रहा है और आखिर में मैंने उन्हें बताया कि यह कोई अफेयर नहीं है।"

उन्होंने उन्हें फोन करके कहा, "हमें बात करनी है", ऐसी बात वह कभी नहीं करतीं, जिससे उनके पति बहुत डर गए। जब सलमा हायेक के पति ने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने उनसे कहा, "सुनिए, यह खबर बताते हुए मेरा दिल टूट रहा है, क्योंकि मुझे पता है कि मैं आपको निराश करने वाली हूं। इतनी हिम्मत जुटाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती। मुझे आपको बताना ही होगा और आपको बस यह समझना होगा कि मैं यहां कितना ज्यादा काम कर रही हूं। मैं बहुत थक गई हूं, बहुत परेशान हूं और इस आपाधापी भरे माहौल में बहुत अकेलापन महसूस कर रही हूं।"

यह सब सुनकर घबराए हुए उनके पति ने कहा, "अरे, प्लीज मुझे यह मत बताना कि तुम एक और कुत्ता ले आई हो।"

सलमा हायेक और फ्रांस्वा-हेनरी पिर्नाल्ट ने 2006 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और 14 फरवरी 2009 को पेरिस में शादी कर ली। इसके बाद वेनिस में शादी का एक बड़ा जश्न मनाया गया। इस जोड़े की एक बेटी है, वैलेन्टिना पालोमा पिर्नाल्ट, जिसका जन्म 2007 में हुआ था।

